भजन

श्री जी

श्री जी मैं थाने पूजन आयो, मेरी अरज सुनो दीनानाथ।
श्री जी, मैं थाने पूजन आयो ॥१ ॥

जल चन्दन अक्षत शुभ लेके तामें पुष्प मिलायो।
श्री जी, मैं थाने पूजन आयो ॥२ ॥

चरू अरू दीप धूप फल लेकर, सुन्दर अर्घ बनायो।
श्री जी, मैं थाने पूजन आयो ॥३ ॥

आठ पहर की साठ जु घड़ियाँ, शान्ति शरण तोरी आयो।
श्री जी, मैं थाने पूजन आयो ॥४ ॥

अर्घ बनाय गाय गुणमाला, तेरे चरनन शीश झुकायो।
श्री जी, मैं थाने पूजन आयो ॥५ ॥

मुझ सेवक की अर्ज यही है, जामन मरण मिटावो।
मेरा आवागमन छूटावो ॥ श्री जी, मैं० ॥६ ॥

पूजा प्रारम्भ

जल

चन्दन

ठोणा

द्रव्य की थाली

द्रव्य चढ़ाने की थाली

शास्त्र जी